कटिहार बिहार में स्थित पटसन मिल

1581 श्री सत्य प्रकाश मालवीय : क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कटिहार, बिहार में स्थित पटसन मिल को चालू करने के लिए सरकार ने अब तक क्या कार्यवाही की है ;

(ख) मिल को अब तक चालू न करने के क्या कारण हैं; और

(ग) इस मिल के कब तक चालू होने की संभावना है ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अशोक गहलोत) : (क) से (ग) : बिहार राज्य वित्तीय निगम (बी एस एफ सी), जिसने कटिहार जूट मिल की परिसम्पदायों का अधिग्रहण किया है ; मुख्य रूप से उसका पुनरूद्धार करने के लिए उत्तरदायी है। कटिहार जूट मिल का पुनरूद्धार करने के पैकेज में सभी संबंधित पक्षकारों द्वारा पुनरूद्धार पैकेज में उनसे अपेक्षित राहत दिया गया तथा त्याग के लिए सहमति प्राप्त करना जरूरी है।

सूती धागे का उत्पाद और आवश्यकता

1582. श्री राम जेठमलानी :
श्रीमती सुषमा स्वराज : क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हथकरघा उद्योग देश के ग्रामीण क्षेत्रों में सबसे अधिक रोजगार के अवसर प्रदान करने में सक्षम है,

(ख) क्या यह सच है कि हथकरघा उद्योग को समूचे वर्ष कार्यरत रखने के लिए 450 मिलियन टन सूती धागे की आवश्यकता होती है,

(ग) क्या यह सच है कि मोटे तौर पर किए गए अनुमान के अनुसार इस समय केवल 300 मिलियन टन धागा उपलब्ध है,

(घ) क्या यह सच है कि देश में धागे का उत्पादन करने वाले मिलों को निर्देश दिए गए हैं कि हथकरघा उद्योग में जो सूती धागा इस्तेमाल किया जा रहा है उसके 50 प्रतिशत का उत्पादन करें,

(ङ) क्या यह भी सच है कि सार्वजनिक क्षेत्र में सूती धागे का उत्पादन करने वाले मिल अपनी क्षमता से कम उत्पादन कर रहे हैं, और

(च) यदि हां, तो देश में हथकरघा उद्योग की आवश्यकता अनुसार सूत का उत्पादन करने के लिए सरकार कोई कारगर योजना तैयार करने का विचार रखती है ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री श्री अशोक गहलोत :

(क) जी, हां।

(ख) जी, नहीं।

(ग) जी, नहीं।

(घ) हैंक यार्न दायित्व आदेश में प्रत्येक सूत उत्पादक को अपने कुल विक्रेय सूत का कम से कम 50 प्रतिशत सूत हैंक के रूप में पैक करना होता है जिसे सामान्यतः हथकरघा क्षेत्र में प्रयोग किया जाता है।

(ङ) जी, हां।

(च) केन्द्र सरकार ने हथकरघा क्षेत्र के हितों को देखते हुए राष्ट्रीय वस्त्र निगम को पहले से ही हिदायतें दे दी है कि वह 40 और उससे कम काउन्ट के धागे के अधिक उत्पादन करें। सरकार ने विभिन्न राज्यों में नई बुनकर सहकारी कताई मिलों की स्थापना और वर्तमान मिलों की क्षमता में विस्तार/उनके आधुनिकीकरण के लिए वित्त सहायता को एक योजना तैयार की है।

राष्ट्रीय वस्त्र निगम में फालतू कर्मचारी

1583 डा० जितेन्द्र कुमार जैन :
श्रीमती सुषमा स्वराज :
श्री राम जेठमलानी :

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने राष्ट्रीय वस्त्र निगम के पुनर्गठन संबंधी योजना को अन्तिम रूप दे दिया है ;